International Research Journal of Humanities, Language and Literature ISSN: (2394-1642)
Impact Factor 5.401Volume 7, Issue 1, January2020
Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
Website-www.aarf.asia, Email : editoraarf@gmail.com

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का राजनैतिक रूचि पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

शोध निर्देशिका

डॉ0 बीना कुमारी
एम.ए., एम.एड., एम.फिल., पी–एच.डी.
एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग
धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़

शोधार्थिनी

श्रीमती प्रतिभा शर्मा
एम.ए. (इतिहास), एम0एड0

प्रस्तावना

शिक्षा एक बहुमुखी प्रक्रिया है, जो प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से बालक के व्यक्तित्व को विकसित करने हेतु एक महत्वपूर्ण उपादान हैं शिक्षा के द्वारा मानव के अन्दर जन्मजात मूल प्रवृत्तियों का रेचन होता है और शिक्षा मानव को समाजोपयोगी बनाकर उसके व्यक्तित्व का विकास करती है। वास्तव में शिक्षा एक प्रक्रिया है जो मानव के विकास को सुनिश्चित करती है। इसमें छात्र, शिक्षक एवं पर्यावरण पारस्परिक रूप से अन्तःक्रियाएँ करते हैं। इस संदर्भ में एक प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री ने शोधपरक टिप्पणी करते हुए कहा है – "The whole education system is a sub-system under the whole social system."[1] इस उक्ति से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का स्वरूप, शिक्षा प्रक्रिया, शिक्षा के निहितार्थ, छात्रों की उपलब्धि और समाज में होने वाले सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, आध्यात्मिक, धार्मिक, पारिवारिक और सांस्कृतिक मूल्यों में परिवर्तन पारस्परिक रूप से प्रभावित रहते हैं।

प्राचीनकाल से भारत विश्वगुरु की श्रेणी में रहा था क्योंकि विश्वभर के ज्ञानपिपासु ज्ञानार्जन हेतु भारतवर्ष के विश्वविद्यालयों में अध्ययन हेतु आते थे। भारत के विद्वान इस तथ्य से अवगत थे कि शिक्षा का स्वरूप, शिक्षा प्रक्रिया तथा शिक्षा के निहितार्थ समाज में होने वाले सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, पारिवारिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों में परिवर्तन से पारस्परिक रूप से प्रभावित होते हैं। समाज में होने वाला प्रत्येक परिवर्तन शिक्षा तथा शैक्षिक प्रक्रिया में दृष्टिगोचर होता है। बालक विद्यालय के अतिरिक्त सबसे अधिक समय अपने घर–परिवार में व्यतीत करता है, इसलिये विद्यार्थी का आत्मविश्वास, राजनैतिक रुचि एवं उसकी शैक्षिक उपलब्धि पारिवारिक परिवेश से प्रभावित होती है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलने वाला पारिवारिक परिवेश नगरीय क्षेत्र के विद्यार्थियों की अपेक्षा काफी भिन्नता रखता है। अतः ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उस परिवेश द्वारा प्रभावित होती है।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश का उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पायी जाने वाली बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में व्याप्त बाध्यता एवं स्वतत्रंता के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पायी जाने वाले अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में विद्यमान अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों पर उनके पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों पर उनके उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में परिव्याप्त पक्षपात निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में उनके प्रति पाये जाने वाले अवधान एवं उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति पाये जाने वाले अवधान एवं उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के परिवार के परिवेश में परिव्याप्त स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न परिवार के परिवेश में परिव्याप्त स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में विद्यमान मधुर सम्बन्धों एवं उदासीन सम्बन्धों के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में मधुर एवं उदासीन सम्बन्धों के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में उनके प्रति पाये जाने वाले विश्वास एवं अविश्वास के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में उनके प्रति पाये जाने वाले विश्वास और अविश्वास के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले प्रभुत्व एवं नम्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में पाये जाने वाले प्रभुत्व एवं नम्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पायी जाने वाली आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में परिव्याप्त आकांक्षाओं एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके साथ पाये जाने वाले खुले संवाद एवं नियंत्रित संवादों के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

. नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके साथ खुले संवाद एवं नियंत्रित संवादो के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन प्रक्रिया

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में जनपद कांशीरामनगर के राजकीय सहायताप्राप्त इण्टरमीडिएट कॉलेजों, जो उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त हैं, के वर्ष 2014 में हाईस्कूल परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया है। समग्र को नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में विभाजित कर 300 छात्र ग्रामीण एवं 300 छात्र नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों से निदर्शित कर कुल 600 छात्रों को सूचनादाता बनाया गया। तत्पश्चात क्षेत्रीय कार्य द्वारा सूचनाओं को एकत्रित कर व्यवस्थापन एवं विवेचन किया गया।

अध्ययन के उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य में पारिवारिक परिवेश, आत्मविश्वास, शैक्षिक उपलब्धि एवं राजनैतिक रुचि जैसे चरों के मापन हेतु ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के इण्टरमीडिएट कॉलेजों के निदर्शित 600 विद्यार्थियों पर निम्नलिखित शोध उपकरणों का प्रयोग किया गया।

डॉ0 एस0के0 सिंह और बी0बी0 पाण्डेय द्वारा निर्मित राजनैतिक रुचि मापनी

अध्ययन प्रक्रिया

© Associationof Academic Researchers and Faculties (AARF)

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में जनपद कांशीरामनगर के राजकीय सहायताप्राप्त इण्टरमीडिएट कॉलेजों, जो उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहाबाद द्वारा मान्यता प्राप्त हैं, के वर्ष 2014 में हाईस्कूल परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया है। समग्र को नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में विभाजित कर 300 छात्र ग्रामीण एवं 300 छात्र नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों से निदर्शित कर कुल 600 छात्रों को सूचनादाता बनाया गया। तत्पश्चात क्षेत्रीय कार्य द्वारा सूचनाओं को एकत्रित कर व्यवस्थापन एवं विवेचन किया गया।

अध्ययन के उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य में पारिवारिक परिवेश, आत्मविश्वास, शैक्षिक उपलब्धि एवं राजनैतिक रुचि जैसे चरों के मापन हेतु ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के इण्टरमीडिएट कॉलेजों के निदर्शित 600 विद्यार्थियों पर निम्नलिखित शोध उपकरणों का प्रयोग किया गया।

डॉ0 रेखा अग्निहोत्री द्वारा निर्मित आत्मविश्वास मापनी

सांख्यिकीय प्रविधियों में मध्यमान, प्रामाणिक विचलन, सह–सम्बन्ध, t-परीक्षण एवं प्रायिकता गुणांक का प्रयोग किया गया।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन जनपद कांशीरामनगर के सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त इण्टरमीडिएट कालेजों में कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं पर किया गया है। ये छात्र माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा संचालित हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2014 में सम्मिलित हुए हैं। समग्र दो भागों को मिलाकर तैयार किया गया है। एक भाग में वे छात्र–छात्राएँ लिये गये हैं जो ग्रामीण क्षेत्र में स्थित इण्टर कालेजों में अध्ययनरत हैं तथा दूसरे भाग में नगरीय क्षेत्र में स्थित इण्टर कालेजों को सम्मिलित किया गया है। प्रस्तुत शोध सर्वेक्षणात्मक प्रकृति का है।

प्रतिदर्श एवं उपकरण चयन

समय एवं धन के अपव्यय से बचने हेतु समग्र से प्रतिदर्श निकालना शोध की वांछनीयता होती है। एक अच्छा प्रतिदर्श वह है जिसमें समग्र की समस्त विशेषताएँ निहित हों एवं समग्र को प्रत्येक इकाई के चुने जाने की समान सम्भावना हो। समग्र से न्यादर्श का चयन करने के लिये शोधकर्त्री ने जिला विद्यालय निरीक्षक कांशीरामनगर के कार्यालय से जनपद के समस्त सरकारी सहायता प्राप्त इण्टर कॉलेजों की सूची प्राप्त की। इन विद्यालयों को भौगोलिक स्थिति के अनुसार ग्रामीण एवं नगरीय दो भागों में विभाजित किया। एक सूची में समस्त ग्रामीण विद्यालयों को रखा तथा दूसरी सूची नगरीय विद्यालयों की तैयार की। जनपद के कुल 38 इण्टरमीडिएट कालेजों में 17 कॉलेज ग्रामीण अंचल में स्थित हैं तथा शेष 21 कॉलेज नगरीय हैं। इन विद्यालयों में से दैव निदर्शन विधि द्वारा 8 विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र से तथा 8 विद्यालय नगरीय सूची में से चयन किये।

आत्मविश्वास एक मनोवैज्ञानिक प्रत्यय है। इसकी तुलनात्मक मीमांसा करने हेतु प्रमाणिक परीक्षण का प्रयोग आवश्यक है। प्रो0 आर0के0 सारस्वत ने अपनी आत्मविश्वास प्रश्नावली में 48 पदों को आत्मविश्वास मापने हेतु प्रयोग किया है। इसमें निम्न 6 क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है :–

1. भौतिक प्रक्षेत्र
2. सामाजिक प्रक्षेत्र
3. शैक्षिक प्रक्षेत्र
4. बौद्धिक प्रक्षेत्र
5. नैतिक प्रक्षेत्र
6. स्वाभाविक प्रक्षेत्र

उपकरण का प्रशासन

मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का निर्माण करना यद्यपि एक कठिन कार्य है किन्तु इनका शोध समस्या के संदर्भ में प्रशासन करना अत्यन्त कठिन कार्य है। जहाँ तक साक्षात्कार अनुसूची,

अवलोकन और साक्षात्कार का प्रश्न है, इनका प्रयोग शोधपरक रूप से किया गया और इनकी चर्चा प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में यथास्थान पर की गई है। लेकिन जहाँ तक प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में प्रमाणिक मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के अनुप्रयोग का प्रश्न है, उनका परिचय विगत अनुभाग में किया जा चुका है। इस अध्याय में इन प्रमापीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रशासन के बारे में युक्तिसंगत ढंग से चर्चा की जा रही है।

1. पारिवारिक परिवेश मापनी का प्रशासन : यह परीक्षण हिन्दी बोलने वाले विद्यार्थियों पर लागू किया जा सकता है। इसे माध्यमिक तथा हाईस्कूल के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों, दोनों प्रकार के छात्रों पर लागू किया जा सकता है। इस परीक्षण को व्यक्तिशः या एक समूह दोनों ही रूपों में लागू कर सकते हैं। निदर्शित सूचनादाताओं के व्यक्तिगत सूचनाओं से सम्बन्धित कथन एवं निर्देश बुकलेट के कवरपेज पर अंकित किये गये हैं। इस परीक्षण के लिये यद्यपि कोई समयसीमा निर्धारित नहीं की गयी है, फिर भी प्रायः इसमें 35 से 40 मिनट का समय लगता है।

निष्कर्ष

शोध कार्य हेतु शोध अध्येताओं द्वारा परिकल्पनाएँ निर्धारित की जाती हैं। शोध परिकल्पनाओं की पुष्टि अथवा खण्डन दोनों से निर्धारित होता है, उसी के अनुसार निष्कर्ष निस्पादित किये जाते हैं। शोध अध्येत्री ने भी प्रस्तुत शोध कार्य हेतु परिकल्पनाएँ निर्धारित की थीं तथा शोध–उद्देश्य भी निर्धारित किये आँकड़ों के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किये गये हैं।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश का उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता है।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश का उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश का उनकी राजनैतिक रुचि पर सार्थक प्रभाव पड़ता है। जिन परिवारों में राजनीति से सम्बन्धित चर्चा होती रहती है अथवा जिन परिवारों में कोई व्यक्ति राजनैतिक पद पर आसीन होता है, उन परिवारों के विद्यार्थियों की राजनैतिक रुचि स्वतः जागृत हो जाती है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश का राजनैतिक रुचि पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ता, निम्न पारिवारिक परिवेश में पोषित बालकों की राजनैतिक रुचि भी विकसित पायी गयी है ।

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभाव समान होते हैं।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पायी जाने वाले बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में व्याप्त बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर प्रभाव पड़ता है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में बाध्यता एवं स्वतन्त्रता के कारण विद्यार्थियों की राजनैतिक रुचि में सार्थक अन्तर पाया गया है।

किन्तु निम्न पारिवारिक स्तर पर नगरीय छात्रों में राजनैतिक रुचि का विकास ग्रामीण निम्न स्तर की तुलना में अधिक पाया गया**परिकल्पना** ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई मौलिक भेद नहीं होता।

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में विद्यमान अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर जो प्रभाव पड़ते हैं उनकी प्रकृति में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में विद्यमान अनुग्रह एवं त्याग के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में अनुग्रह एवं त्याग का उनकी राजनैतिक रुचि पर प्रभाव पड़ता है। उच्च पारिवारिक स्तर पर ग्रामीण एवं नगरीय छात्रों की राजनैतिक रुचि निम्न पारिवारिक स्तर के ग्रामीण एवं नगरीय छात्रों की राजनैतिक रुचि में विशेष अन्तर प्रकट नहीं होता। किन्तु उच्च एवं निम्न ग्रामीण अथवा उच्च एवं निम्न नगरीय विद्यार्थियों की राजनैतिक रुचि में स्पष्ट अन्तर प्रकट हुआ ।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर जो प्रभाव पड़ते हैं, उनमें कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में परिव्याप्त पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभाव प्रायः समान होते हैं।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों पर उनके पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों पर उनके उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में परिव्याप्त पक्षपात निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : उपर्युक्त परिकल्पनाओं को ध्वस्त किया जा चुका है। तदनुरूप निष्कर्ष यह है कि ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पक्षपात बनाम निष्पक्षता के कारण उनकी राजनैतिक रुचि प्रभावित होती है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में पक्षपात, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार के कारण विद्यार्थियों की राजनैतिक रुचि में सार्थक अन्तर होता है। निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण व्यवहार राजनैतिक रुचि को उत्प्रेरित करता है जबकि पक्षपातपूर्ण व्यवहार राजनैतिक रुचि को कुपोषित करता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति अवधान एवं उपेक्षा के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर जो प्रभाव पड़ते हैं, उनमें कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति अवधान एवं उपेक्षा के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता है।

उद्‌देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में उनके प्रति पाये जाने वाले अवधान एवं उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्‌देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति पाये जाने वाले अवधान एवं उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश के प्रति अवधान एवं उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं होता है, जबकि उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में विद्यार्थियों की राजनैतिक रुचियों में सार्थक अन्तर होता है अर्थात् उच्च स्तरीय पारिवारिक परिवेश में जब विद्यार्थियों पर अधिक ध्यान दिया जाता है तो उनकी राजनैतिक रुचि अधिक जागृत हो जाती है तथा निम्न पारिवारिक परिवेश में उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण राजनैतिक रुचि का स्तर निम्न रहता है

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पायी जाने वाली स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में पायी जाने वाली स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता।

उद्‌देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के परिवार के परिवेश में परिव्याप्त स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न परिवार के परिवेश में परिव्याप्त स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर प्रभाव नहीं पड़ता है। उच्च पारिवारिक परिवेश एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में स्वीकार्यता एवं अस्वीकार्यता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों में सार्थक अन्तर पाया जाता है। ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में नगरीय विद्यार्थियों में रानजैतिक रुचि का स्तर कम पाया गया

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति मधुर एवं उदासीन सम्बन्धों का उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च व निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति पाये जाने वाले मधुर एवं उदासीन सम्बन्धों का उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में विद्यमान मधुर सम्बन्धों एवं उदासीन सम्बन्धों के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में मधुर एवं उदासीन सम्बन्धों के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : उपर्युक्त परिकल्पनाओं को निरस्त किया जा चुका है। ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में मधुर एवं उदासीन सम्बन्धों के कारण उनकी राजनैतिक रुचि

पर प्रभाव पड़ता है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में विद्यार्थियों के प्रति मधुर सम्बन्ध बनाम उदासीन सम्बन्ध के कारण उनकी राजनैतिक रुचि में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उन पर विश्वास एवं अविश्वास के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर जो प्रभाव पड़ते हैं, उनमें कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उन पर विश्वास व अविश्वास के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण में उने प्रति पाये जाने वाले विश्वास एवं अविश्वास के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में उनके प्रति पाये जाने वाले विश्वास और अविश्वास के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय पारिवारिक परिवेश में विद्यार्थियों के प्रति विश्वास एवं अविश्वास का उनकी राजनैतिक रुचि पर सार्थक अन्तर एवं प्रभाव देखने को मिला। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में विश्वास बनाम अविश्वास के कारण विद्यार्थियों की राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों में सार्थक अन्तर पाया जाता है

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में प्रभुत्व एवं नम्रता के व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई मौलिक अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में परिव्याप्त प्रभुत्व एवं नम्रता के व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं होता।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पाये जाने वाले प्रभुत्व एवं नम्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में पाये जाने वाले प्रभुत्व एवं नम्रता के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : पारिवारिक परिवेश की आठवीं विमा से सम्बन्धित उपर्युक्त परिकल्पनाओं को अपुष्ट किया जा चुका है। निष्कर्ष यह हे कि ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में प्रभुत्व एवं नम्रता के व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में प्रभुत्व बनाम नम्रता के व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों में सार्थक अन्तर होता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण में उनके प्रति आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई अन्तर नहीं होता।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में पायी जाने वाली आकांक्षा एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में परिव्याप्त आकांक्षाओं एवं निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके आकांक्षा बनाम निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि पर प्रभाव पड़ता है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके प्रति आकांक्षा बनाम निराशापूर्ण व्यवहार के कारण उनकी राजनैतिक रुचि में सार्थक अन्तर प्राप्त होता है

परिकल्पना ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में परिव्याप्त खुले संवाद एवं नियन्त्रित संवादों के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों में कोई उल्लेखनीय अन्तर नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में विद्यमान खुले संवाद एवं नियंत्रित संवादों के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभाव प्रायः समान होते हैं।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में उनके साथ पाये जाने वाले खुले संवाद एवं नियन्त्रित संवादों के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य नगरीय एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में उनके साथ खुले संवाद एवं नियन्त्रित संवादों के कारण उनकी राजनैतिक रुचियों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।

निष्कर्ष : पारिवारिक परिवेश की अन्तिम एवं दशम विमा (FCS-10) का राजनैतिक रुचि से सह–सम्बन्ध स्थापित करने वाली उपर्युक्त परिकल्पनाओं को अस्वीकृत किया जा चुका है। निष्कर्ष स्वरूप कहा जा सकता है कि ग्रामीण एवं नगरीय विद्यार्थियों के पारिवारिक परिवेश में

© **Associationof Academic Researchers and Faculties (AARF)**

खुले संवाद बनाम नियन्त्रित संवाद के कारण उनकी राजनैतिक रुचि प्रभावित होती है। उच्च एवं निम्न पारिवारिक परिवेश में खुले संवादों के कारण उनकी राजनैतिक रुचि सकारात्मक रूप से प्रभावित होती है

शोध संदर्भ

1. Ulich, R. Fundamentals of Democratic Education, American Book, 1940.
2. Linton, Ralth. The Study of Man, Application Century, New York, 1936, p. 272D.
3. Mead, George. H. Mind. Self and Society, The University of Chicago, Chicago, 1934, pp. 145-64.

4. Barlett, F.G. Remembering, Cambridge University Press, Cambridge, England, 1932, p. 244.
5. Dr. S. Radhakrishnan. Women's Education, p. 78.
6. Leonard, Carmichaul. Manual of Psychology, p. 800.
7. Free and Compulsory Education Act, Govt. Publication, 27th August, 2009.
8. Stephen's J.M. Educational Psychology, p. 238.
9. Shah, Beena. Manual for family, Climate Scale, p. 1.
10. Thorpe and Sclunutter. Personality, p. 176.
11. McDougal, William. An Introduction to Social Psychology, p. 93.
12. Dumville, Benjamin. The Fundamental to Psychology, p. 27.
13. Breckenridge and Vinceat. Manual for A.S.C.I., Dr. Rekha Agnihotri, 1965, p. 6.
14. Ibid.
15. Dr. S.K. Singh and Dr. B.B. Pandey. Manual for Political Interest Scale, p. 1.